

# राजकुमारी बनाम हेतराम

तारीख  
हुक्म

प्रापत्र - 212 RA/18  
हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज  
# 2018/00076

नम्बर व तारीख  
अहकाम जो इस  
हुक्म की तामील  
में जारी हुए

05/10/2020 प्राप्ति की ह्रास प्राप्ति पत्र चा 212 RA/18  
पेश कर विवेक दिना है कि आ. क्र. 1172,  
1173, 1174, 1255 का के गान कनाकर तक्षीर  
0.03, 0.15, 0.01 वपान में स्थित है। उक्त अग्रणी वासनी प्राप्ति  
को अपने मृत्यु पत्र बालकियन से जारी  
विशेष प्राप्ति दुर्घ है। बालकियन की मृत्यु बाद  
दातिल रणजि माता कलावती व वासनी प्राप्ति  
के नाम क. दि. 19/12/2018 को प्रमाणित  
माता कलावती ने प्राप्ति के एक से एकीकृत  
कर दिया जिसके आधार पर वासनी प्राप्ति  
न्यायन्य (वर्तमान कानून) का विना अग्रणी है।  
मुतसवी अग्रणी से प्रतिवादीगण अग्रणीगण  
का कोई सम्बन्ध सरोकार नहीं है परन्तु सर्व  
जाति (गुरु) लगी, जैसे वाले एपॉक है-उक्त  
अग्रणी को हउपने की बरमाही घट कर गई  
है। दिनांक 12/9/2018 को प्रतिवादीगण ने वासनी  
प्राप्ति को वसुधाम कनाकर धमकी की कि  
कुछही उई उई फल को जवरन काकर लीं  
जायेगी। गभीर को उक्त- वाक्य का गारगिध  
काकर कर देगी। प्रतिवादीगण अग्रणीगण अपनी  
उक्त मर्श में सफल होगएगी प्राप्ति को  
सरल हउ लक्षी है। अप्रति-आदि-उगी।  
अग्र से प्राप्ति पत्र प्राप्ति-लीकर कर  
अग्रणीगण को पूरा वाक के विभिन्न तद  
विवादिन अग्रणी वाकत अस्पष्ट-रिपे धारा-  
से पावन्द करी का विवेक दिना है।  
प्राप्ति पत्र पेश होने पर उक्त रजिस्ट्र  
कर अग्रणीगण को जारी नोदिन लख  
दिनांक अग्रणीगण के विरुद्ध आदि-उगी  
दिनांक 12/9/2019 से उक्त सफल का विवादी  
अमल में लगी गई।  
उक्त विधान अधिभाष्य-प्राप्ति को

उपखण्ड अधिकारी  
PM/19-307878 (मराठपुर)

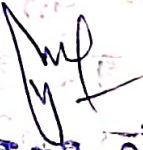


तारीख हुक्म	शजुमारी वनाम हेराम प्रान्त - 212 202/18 हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज # 2018/00076	नम्बर अहक हुक्म में
----------------	--	------------------------------

एक पक्षीय सुनार। पयावनी में लक्षण राजेश्वर  
 अभिलेख जमावन्दी संवत् 2069-2072  
 वारे शाह कगावर का प्रयोजन किमा।  
 विवादिता आजी वानी प्राप्तिनी की  
 खारेदी में ही अभिलेख ही अधीन गवा  
 का विवादिता आजीयान से कोइ प्रमाण  
 स्वीकार नहीं है। शाहना के ही कोइ क सुविधा  
 का संतुलन प्राप्तिनी के पक्ष में वरुणी  
 स्थापित है। प्राप्तिना पत्र प्राप्तिनी लीकन अभिय  
 है।

आदेश

अतः प्राप्तिना पत्र प्राप्तिनी स्वीकार किया  
 जाता है। न्यायालय हाजा से गरी-अल्लार्क  
 निपंधावा दिनांक 26/10/2018 छल वा 15 के  
 निर्णय तब कम्पनी डिमा जाता है। पयावनी  
 फेलन सुनार वर नम्बर से कर ही वाड  
 तकमील प्राप्तिनी पत्र ही निर्णय मेरे हुक्म  
 लिखित गवा सुनार गमा।

  
 लक्ष्मण अधिकारी  
 बसवाना (भारतपुर)